

DPN 6520

रामचरित्रनाटक

Title :

Run. No. 7245

Cat. No.

Micro. No.

Subject *Nāṭaka*

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith. / New. / New.- Nep. /

Size in cms. 14.7 x 7

Folios 26 Lines (in a page) 6

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place योगनरेन्द्र मल्ल

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. : Both side yellow

Material : palmleaf / paper / thyaśaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon : श्रीसूर्यवंशी राजा श्रीसिद्धिहृत्सिंहमल्ल, तारपुत्र
श्रीश्रीनिवासमल्ल, तारपुत्र सकलसंगीतादि विविधविद्यापारावारणारगनरेन्द्रलक्ष्मी-
प्रभुमहाराजाधिराज श्रीश्री जययोगनरेन्द्रमल्ल महाराजका अपनार श्रीसूर्यवंश श्रीरामचरित्र-
नाटक पुन्यफल ते एही ठूम जे शतसंवत्सर दीर्घमायुरस्तु ॥

15

10

5

0

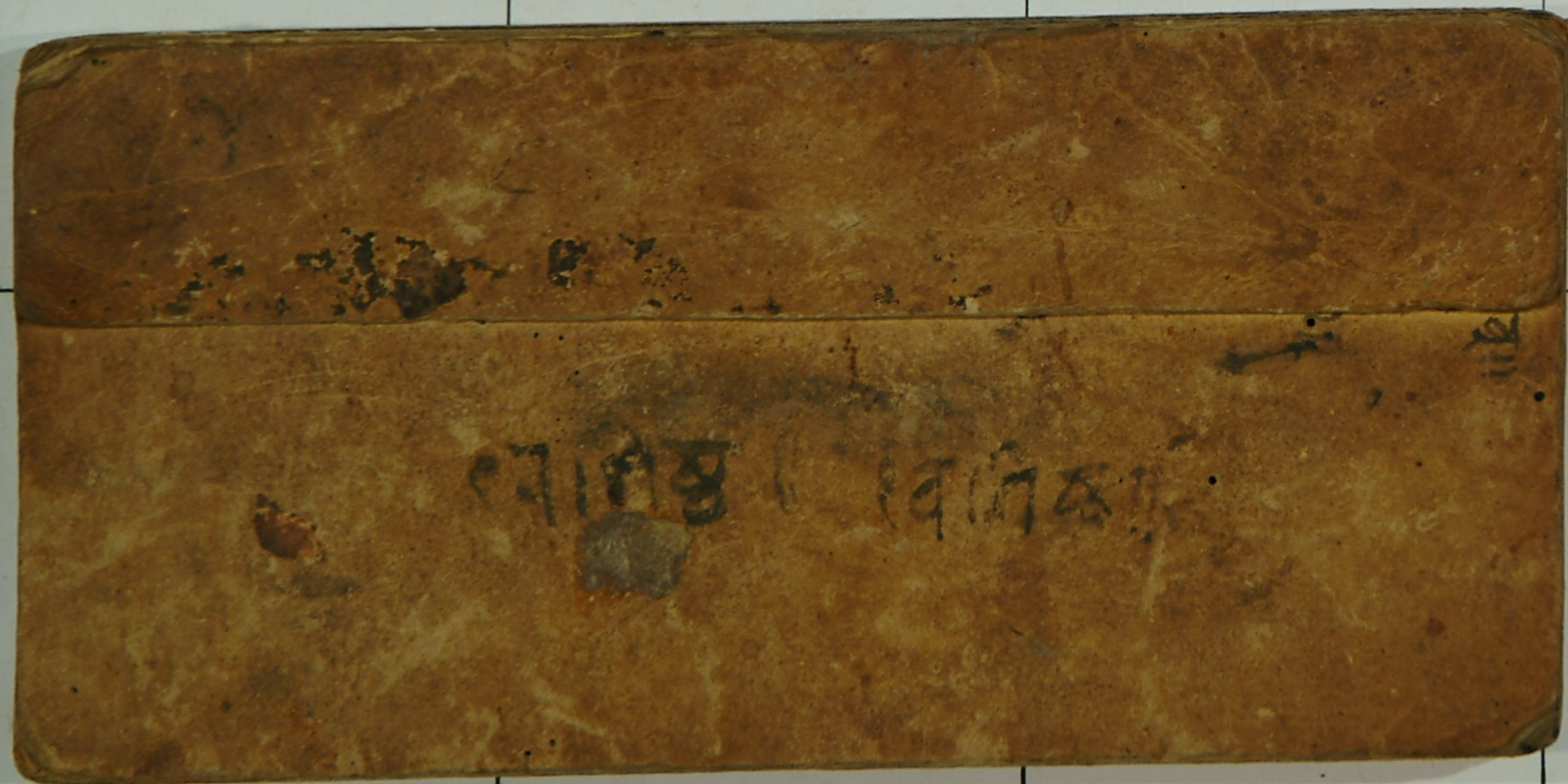
cmts.

5

10

15

20



बालिष्ठ

सर्वदा २

श्रीवत्सलमहाबाजाधिराजश्रीश्रीयागननु मस्तु
यतिं लोको ॥ ॥ हं अगस्त्यमूनिवाजममस्तु विश्वमि
तुमनीश्वरसतानंद हविदासधर्मदासअमावव
वनमैवैधनैकै ॥ ॥ महायज्ञकर्मयुक्तावयु
वीर्यसदायागसतानंदश्याहंमनीनु ॥ ॥ देवय
यन्नारुवदि ॥ ॥ समीय ॥ ॥ सदायावनिष्ठ ॥

सूना ३

विद्या २

सूनीलावनिष्ठ ॥ ॥ न तादृशजित्तुययववस्तु
स्वज्ञानीश्यायानुग्रहसमर्थमूनिवाजवनिष्ठममी ॥
हं विश्वमिनुमूनिवाजग्राहक ॥ ॥ हं वि० यथा
र्थकहिलन ॥ ॥ हं अगस्त्यमृषीश्वरम्राहक ॥
हं अग० यथैर्थकहिलन ॥ ॥ हं सतानन्दम्राह
क ॥ ॥ हं स० सत्यकहिलन ॥ ॥ हं हविदासका

दा ॥ ॥ हं हं सत्य कहिले न ॥ ॥ हं धर्म दास कहौ ॥ हं ध
 र्म सत्य कहिले न ॥ ॥ हे विष्णु अंतु मा वः कृ वि
 जय कथा ॥ ॥ हं भू ग अंतु मा वः कृ विजय कथा
 ॥ ॥ हं हं दु ग्य दा ह न क वि या न ही नं दि नी का म र्ध
 नू द न ति मि रु कृ ता यि या द उ ॥ ॥ हं हं ध नु था क
 र्ण क विष्णु म क वि या धा कि या ॥ ॥ हं म हा वा उ दि ती य

हं म हा वा उ दि ती य म हा

म हा वा ली म भा वी कृ सि धि व मु ॥ वा ली मू द क्रि षा द
 वी र्म र्ग अ क स्मा न नु था वि जय द नो न ही कृ षा म न
 वि ष वि जय क था ॥ हं हं वि षु मी कृ षा म न सा अ क
 वि या अ भा ॥ ॥ हं म हा नु मा व वा अ वि ष यी र्म व विः
 वा व दू र्म का व का म क ल य गा ला क य नि या ल न क वि
 या म की ग वा अ कृ ण ल द लो की अ क क था ॥ ॥ हं म हा

ॐ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ धर्मो रक्षति रक्षितः ॥
 ॐ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ धर्मो रक्षति रक्षितः ॥
 ॐ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ धर्मो रक्षति रक्षितः ॥
 ॐ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ धर्मो रक्षति रक्षितः ॥
 ॐ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ धर्मो रक्षति रक्षितः ॥
 ॐ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ धर्मो रक्षति रक्षितः ॥

वयं नमो भगवते ॥ नमो भगवते ॥ नमो भगवते ॥
 नमो भगवते ॥ नमो भगवते ॥ नमो भगवते ॥
 नमो भगवते ॥ नमो भगवते ॥ नमो भगवते ॥
 नमो भगवते ॥ नमो भगवते ॥ नमो भगवते ॥
 नमो भगवते ॥ नमो भगवते ॥ नमो भगवते ॥
 नमो भगवते ॥ नमो भगवते ॥ नमो भगवते ॥

ॐ

ॐ

लामकामधनूदमीनमस्कारनाकलातावकामधनू
 दुमाकस्तपदिलानगगतर्वमयुवाहशद्वतंतामस्त
 यदुमीनासुनिशानावस्तपतदुमावयुगनाहला॥॥
 हंसदा. प्रमोवनीदिनीनामकामधनू. तावकामधनू
 वेधोमीदमीजानाअखनंदुमीजानीदिनीकामधनू
 वसवाकवा॥॥हंस. अवेधनकवा॥॥सा॥युक्तिना

यीयुतिस्तुथास्तुतिगार्गीस्तानमाववें॥निषधुगोनि
 श्रीदास्यायीनामसिधिवेवय॥हंसदा. ऊखनंम
 नीदिनीकामधनूसदावनाकवेजायवतावता
 वसीगअनूगमनेकत्रियासवाकवा॥॥हंसदा
 नाहीसू. वेधोविजयकवा॥॥हंसदावाहीऊख
 नकामधनूवनाकवेसाचथागसूअशिवता

श्रुवधुअ

कामधनू

वैद्यो यथादि यायुजा कवि कथा ॥ ॥ हं महाबाहव
 न कामधनू नैदिनी वना मउ चानदा कवि या क
 थयुसंग केला तावज्ज कस्माद्वन सो नही नैदिनी उ
 धामा मित्रा नही महासमुदास गलध न्यशुमानः
 हाग्यं कांसिद्ध हेव ॥ ॥ नही नैदिनी कामधनू द
 र्वा ॥ ॥ उमहाबा नुथा विज्ज कथा ॥ ॥ हं महाबा

र्य

ली

हं मउ म(ध)पुनः कान्हेसा जखन उही कामधनू वन क्लृप्त जायव गाव

जमहाबाही नही नथावन विद्यामी की दिवा नही
 रुलमूल रुक न कथा ॥ ॥ हं महा महाबाही नख
 न नाहि हेला मैयन कथा ॥ ॥ हं महा सर्वथा विज्ज
 जय कथा ॥ ॥ हं महाबाही नख नैज्ज मीस्त्रा नादिक
 म्रक विद्या ॥ ॥ हं ह विदास धर्मदास स्या नयुजा
 दिमा मयी सा ऊ कथा ॥ ॥ हं ह वि जू माने निरुपक

न गरीत वन क्लृप्त निजा सय

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

धगाववालीसू निमज्जावाचला ॥ वीम ॥ काटासुड ॥
 खवकटास ॥ हं हं धं सर्वथाचला ॥ ॥ तू ॥
 काटास ॥ हं हं धं महावाजदिलीयनयूगवाजक
 मावजमहेलागथाज्जावाचला ॥ ॥ हं काटावाव
 सर्वथा ॥ ॥ हं महा कल्याणनिमज्जा ॥ ॥ हं महा
 धन्यशुमानराग्य ॥ अहं महा अज्जा ॥ ॥

॥ ति धातु ४

अनीयायाद्विद्यामाजीवालकायसू विक्रमशाननास्य
 नवयूगस्य नद्युर्वाभारविद्युति ॥ हं महा अहं शुमा
 नयूगसकलक्षेत्रं नयूगसमीयुमनयवावगमनकवि
 वं लैद्यिमेवगमो नयूगसमीयुमनयवावगमनकवि
 वं ॥ ॥ हं महा अमीनयाव नजायथा ॥ ॥ हं हं धं अय
 नयथाव नजायवाचला ॥ ॥ तू ॥ ॥ काटास ॥ हं हं
 धनाजावयूगवाजासमजामानाधन्यशुमानराग्य

हं सधुमो विद्युति
 धनाजावयूगवाजासमजामानाधन्यशुमानराग्य

तथा वन १

मोतिजौधूमजातुवा ॥ ॥ हं महाबाजः ऊरुमात्रं कृत्वा विज
यकथा ॥ ॥ हं वधुमहाबाजः ऊर्मोनिजौधूमजातुवा ॥ ॥
हं बाजकुमात्रजभाडा ॥ ॥ ~~जवकलस~~ ॥ हं वधुमहाबाज
सकललोकमुखनेत्रयुगमात्रबाजघनविजयकथा ॥ ॥
हं महाबाजदिलीपः ॥ महाबाजीसूदक्षिणमुखनेत्र
यावन्तजातुवायला ॥ ॥ ~~खवस~~ ॥ हं महाबाजसर्वथा ॥ ॥

रु. ५२

॥ ~~रु~~ ॥ ॥ हं हविः धः वधुबाजाऊमाकदाकिला तथा जातु
वायला ॥ हं कोटवानसर्वथा ॥ ॥ हं महाबाजवधु कल्या
नानिमल ॥ ॥ हं महाः ऊमाडा ॥ ॥ हं महाः धन्यश्रेष्ठमात्र
राग्यमहासुवकलवाजकुमात्रजमहेला ॥ अखनेना
महादेविकविवा ॥ ॥ हं महाः सुनी ॥ ~~रु~~ ॥ अस्यवालस्य
यदाशु मूढुर्लज्जताकवग ॥ तस्मादजं तिष्ठानामा
धुर्लज्जदसो ॥ हं महाबाजः उदीतुमात्रयुगवालकवाशु
वधु

॥ २ ॥
मूर्धन्यसमयजु महे लातं निमित्तवस्त्रावनामनञ्ज
जनामंयुसिद्धदेवं ॥ ॥ दक्षयज्ञेन ॥

१ ह्रीं श्रीगामयं दुमीश्वर्याय नमः विनायकस्य पु
नियाननकप्रियाय दुर्द्धनं नवासमं नमः
प्रियायुताश्वरकंठकनावलमाप्रियायौता
दवी उद्धारकप्रियायुतासिलाधन्य २ दुमी

क
 खनगुमाकना अलिखकं विधा ॥ ॥ म ॥ हल
 अलनगनगुवको के सु खनगुनामच्यदकना
 अलिखकेके विधा ॥ ॥ ह नानामच्यद अड
 गगुमी अया धमनववनवाजाहेल उही अलि
 अकलव ॥ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

दशवर्षं यत्नं तत्तुल्यं शुभं नरायणाय ॥ अनाद
 श्वरं ध्यानात्मा विद्या तेषां मोक्षोत्तमं ॥ ॐ नमो
 भगवते वासुदेवाय ॥ दशवर्षं तत्तुल्यं शुभं नरायणाय ॥
 तत्तुल्यं शुभं नरायणाय ॥ दशवर्षं तत्तुल्यं शुभं नरायणाय ॥
 तत्तुल्यं शुभं नरायणाय ॥ दशवर्षं तत्तुल्यं शुभं नरायणाय ॥
 तत्तुल्यं शुभं नरायणाय ॥ दशवर्षं तत्तुल्यं शुभं नरायणाय ॥

15

10

5

0

cmts.

5

10

15

20



१ कर्षूत्रयूजगीकासी. रुज. गनुविरुषिनी। निभयं वृष
रात्रुई. नयनार्थतमाम्नाहं ॥ ॥ ॐ ॥ ॐ

विगताहं

इह खना कमा धैर्य कमा ॥ ॥ हं म अ गुमा
 ने का जूमी की कहि वा ॥ ॥ हं महा ना अ
 दल नथ उही का य उ वि ग मा कुरुमी ली का ना
 कना ॥ ॥ हं म द म उष ले जूमी ग था व न जा
 य वा ॥ ॥ हं म अ वि ज य क ना ॥ ॥ हं म अ
 उष ले ग था व न वि ज य क ना ॥

हं म द अ मा व व ल न अ व ध न क ना ॥ ॥ म धू मा म सि
 न य के न व मी क र्क ट गुरु । पु न र्व सु क स हि ने उ च्छे
 ग्र ह य व के । म ध य म हि मी या ये य य हृ स्ति म मा कू ल ।
 अ वि ना सी कू ग ना थ य न मा मा म ना न न ॥ हं महा ना
 ज उ ही कु मा र अ य दू ग न ज नू का ल दि न अ नु मा म गु
 क य क न व मी ति धि पु न र्व सु न क गु म य रा मि हृ य
 य व ग्र ह उ च्छे उ ही महा सु र दि न वि ष नु मा र अ य दू
 वि ष २

पुं न जन्महे ला धन्य शुभा वरा म् ॥ ७ ॥ खं न म् मी नाम क
 वल क विवा अ व धन क या ॥ ॥ ॥ लू ला ऊ न न वा म् म्
 कृ यू य स्य ना म य न् । शी त्र स्या शि त्र म् न त्राम् म्
 ह रि धी य न् ॥ ॥ दं मा दा ज द ली त्र थं पु मा व न् द ही क
 कृ यू य न ना म् शी त्र म् म् शि त्र म् म् नू य का व ली न्
 शी त्र म् न ना म् न य सि द्ध हे धं ॥ ॥ ॥ दं म् द आ त्र म्

मा त्र व न य अ व धन क या ॥ ॥ के क या ॥ ॥ आ र व त्पु
 य ॥ ॥ त स्य ना म् लू य य ॥ ॥ सर्व यी र त्र ली दं व ल
 त्र म् ना म् लू य वि ॥ ॥ दं म् ॥ पु द्दी के क यी त्र ली त्र य
 य ॥ ॥ सक ल लो क त्र त्र ली क त्रि दं न ति मि लु र त्र म्
 ना म् न य सि द्ध हे धं ॥ ॥ ॥ दं म् ॥ आ त्र ॥ ॥ सु मि या या
 ॥ ॥ सु गो थो ना म् न स्य लू य य ॥ ॥ सु ल क लो य

संपन्नानां लक्षणानामगारुवंत ॥ हेम. उदीसु
 मितादेवीप्रयुगमहासुलक्ष्मिजीवमनिनि
 ललक्षणानामगयसिद्धदेव ॥ ॥ हेम. जान
 ॥ पुनत्रस्याज्यसुनू ॥ नृत्तगस्यायितामकी। स
 वेनपुवितागताम. नपुध्यानामगारुवंत ॥ हेम.
 आनउदीसुमितादेवीप्रयुगसकलेनपुसहाव

कविप्रमतिमिरुष्युनामगयसिद्धदेव ॥ ॥
 हृष्टीनामचन्द्रमीर्णकानाकवा. यथमजर्मम
 लेहेनवा. हिता. यश्चातुमात्रयनहेव. गथावि
 अमीर्ण। निरुस्ययनकविवा ॥ ॥ हेष्टीनाम
 चन्द्रधनशुमी ॥
 वीनजनयनगुमकनूलाकटाका. इष्टजनयनगुम
 गूकटीकटाका. रंकजनयनगुमसदयोदवि

15

10

5

रु० ल० गी० ज० न० त० व० ल० ना० ४ स० ग० त० य० त० तु ॥ रु० म० द०
 जी० ना० ल० ग० व० ल० गु० ल० व० द्वि० ना० ॥ ल० म० ॥ ॥
 हं म० हा० ना० अ० दि० ती० य० ५ ख० ने० यू० र्णु० इ० ति० के० वि० वा ॥ ॥ ल० म० ॥
 नि० ध्या० या० नि० रु० व० नु० सं० तु० स० त० ग० ध० म्मा० दि० या० ४ स० र्व० दा० ल० म०
 व० ४ स० तु० च० स० ऊ० ना० ४ दि० नि० ग० ल० वि० वा० शु० र्णु० मी० तु० अ० ४
 रु० सी० ध० न० ध० ना० नि० य० रु० स० रु० ला० वे० व० नु० का० ल० स० दा०
 जी० म० ऊ० ग० न० व० नु० रु० य० नि० म० लि० जी० श्रा० द्वि० र्णु० रु० ल० ॥

दू० न० ४३

अ० सि० र्णु० रु० मी० रु० ल० या० व० नु० ४ या० लि० न० ४ स० तु० ग० वा०
 पु० मा० दा० ४ स० तु० ग० द० न० न० र्णु० जी० जी० या० ग० न० व० नु० म० ल० नु०
 य० न० ४ स० य० वि० वा० ना० ल० स० दा० म० न० ल० रु० या० नु० ॥

रु० ०० नु० मी० दी० द० वी० गु० मा० व० ल० य० व० नु० वि० वा० अ० ऊ० ना० अ० क० मा०
 व० यु० रु० नि० अ० न० क० वा० जा० ल० क० जा० मि० ला० अ० तु० मा० न० ०० रु०
 अ० व० व० ल० क० वा० ॥ ॥ रु० ल० अ० म० हा० ना० ज० स० वे० ध्या० ॥ ॥
 रु० ल० अ० उ० र० व० न० क० चा० स० म० य० ल० क० वा० ॥ जी० ल० र्णु० र्णु०

श्री १

श्री १

रुव दितीय नृप नः ४ यो गुं व दू वा ४ य गु यं अजं क
 मा नायः ॥ मां समस्त गुल सम्यन्ताः ॥ नृमनी नो
 मीं राज न्याः ॥ उद्यम हं सं युदध ॥ ॥

नित्यं लास्य कला विलासं च रुचया लवुना नागुल
 लली सव विगाव दान विमल ॥ यो यत्न मरु
 सिनः ॥ वृथ यं च न व ४ युच लु कि नर्त्त आ गव
 गायान ल ४ श्री श्री या न न न नु ह य नि म लि र्त्त

नाम राज कुमार ३

मं तुलं राज नः ॥ य ४ ५ गा ह गी र्त्त मं तुलं राज
 नः स ॥ श्री या न न न नु म न्न नृ व नि चि र्त्त जी
 शा ग ॥ ॥ य र्त्त ग व ॥ अ ग न्ना थ य गी य र्त्त
 मं गि द आ न अ या क्षा न ग र्त्त नृ य राजा न
 यू ग अ ज राज कुमार य र्त्त नि अ न क राजा
 ला क आ मि ला ॥ उ मा ॥ का भ व र्त्त क ला ॥
 उ मा र्त्त र्त्त व वि र्त्त

५१३

[illegible]

ॐ

٥١

नाउका अयनात्रयार्थवर्गनामचत्रिगुना
ठकयत्ररुलगेउहीरुमठलनगसंवत्स
नदीर्घमायनमुष

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

15

10

5

0 cmts. 5 10 15 20

Handwritten text in Devanagari script on a palm leaf manuscript. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. Some characters are highlighted in red ink, possibly indicating specific words or punctuation. The script is dense and characteristic of traditional Indian manuscript writing.

Handwritten text in Devanagari script on a palm leaf manuscript, continuing from the top leaf. It consists of about 8 horizontal lines of text. Like the top leaf, it features some red ink highlights. The leaf shows signs of age and wear.